अमेरिकी टैरिफ का असर सीमित : रिपोर्ट

भारत की जीडीपी पर सिर्फ 0.19 प्रतिशत प्रभाव अनुमानित

8.1 बिलियन का निर्यात प्रभावित हो सकता है

नई दिल्ली, 6 अगस्त-उद्योग जगत के नेताओं के अनुसार, भारतीय वस्तुओं पर प्रस्तावित अमेरिकी टैरिफ का देश की अर्थव्यवस्था पर प्रबंधनीय प्रभाव पड़ेगा, जिससे भारत के सकल घरेलू उत्पाद का केवल 0.19त्न प्रभावित होगा.

उद्योग थिंक टैंक पीएचडीसीसीआई की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है.रिपोर्ट के मुताबिक, इन टैरिफ से अमेरिका को होने वाला लगभग 8.1 बिलियन का निर्यात प्रभावित होने की आशंका है. पीएचडीसीसीआई ने अपने विश्लेषण में अनुमान लगाया है कि अमेरिकी टैरिफ के कारण भारत के वैश्विक व्यापारिक निर्यात पर केवल 1.87% और जीडीपी पर नगण्य 0.19% का प्रभाव पड़ेगा.

संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा भारतीय आयात पर 25% टैरिफ 7 अगस्त से प्रभावी होने वाला है. पीएचडीसीसीआई के अनुसार, इससे सबसे अधिक प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में इंजीनियरिंग उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स (986 मिलियन), रत्न और आभूषण (932 मिलियन), और रेडीमेड गारमेंट्स (500 मिलियन) शामिल हैं.

इस प्रभाव को कम करने के लिए, चैंबर ने चार-आयामी रणनीति का प्रस्ताव दिया है. इसमें प्रमुख अमेरिकी खुदरा विक्रेताओं के साथ बातचीत करके बंडल मूल्य निर्धारण मॉडल के माध्यम से अमेरिकी बाजार में गहरी पैठ बनाने की सिफारिश की गई है.

रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रवासी नेटवर्क का लाभ उठाना, मांग को स्थिर करने के लिए दीर्घकालिक ऑफटेक समझौतों को सुरक्षित करना, प्रीमियम निर्यात वेरिएंट विकसित करना और अमेरिकी खरीदारों के साथ कस्टम विशिष्टताओं पर सह-नवाचार करना भी महत्वपूर्ण होगा.

> पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष हेमंत जैन ने कहा, टैरिफ की चुनौती निर्यात परिष्कार और भौगोलिक विविधीकरण के लिए भारत की आवश्यकता को तेज करती है. हमारा रणनीति ढांचा इस व्यवधान को दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के अवसर में बदलने के लिए एक रोडमैप प्रदान करता है.पीएचडीसीसीआई के सीईओ और महासचिव रणजीत मेहता ने कहा, जबकि 25त्न अमेरिकी टैरिफ चुनौतियां पेश करता है, भारत की मजबूत घरेलू मांग और विविध अर्थव्यवस्था लचीलापन प्रदान करती है. हमारा विश्लेषण दर्शाता है कि प्रभाव, हालांकि पूर्ण रूप से महत्वपूर्ण है, मैक्रो स्तर पर प्रबंधनीय बना हुआ है.

2026 तक 22 भाषाओं में भारतजेन

दिसंबर 2025 तक 15 भाषाओं का लक्ष्य

कृषि, शासन और रक्षा में पायलट एप्लीकेशन

राष्ट्रीय एआई पहल और अनुप्रयोग

भारतजेन भारत की पहली सरकार समर्थित राष्ट्रीय एआई पहल है, जो टेक्स्ट, स्पीच और विजन-लैंग्वेज सिस्टम के साथ काम करती है. इसने कृषि, शासन और रक्षा के लिए विशिष्ट एप्लीकेशन विकसित किए हैं, जिनकी पायलट परियोजनाएं पहले ही संचालित की जा चुकी हैं. सिंह ने बताया कि पूरी तरह से लागू होने के बाद, ये समाधान सभी राज्यों और जिलों में उपलब्ध कराए जाएंगे. यह परियोजना विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अंत:विषय साइबर भौतिक प्रणालियों पर राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत क्रियान्वित की जा रही है.

नई दिल्ली, 6 अगस्त.केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी भारतजेन एआई पहल जून 2026 तक सभी 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं को कवर करेगी. यह कदम भारतीय भाषाओं और सामाजिक संदर्भों के अनुरूप संप्रभु आधारभूत एआई मॉडल बनाने की रूपरेखा का हिस्सा है.

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्रीजितेंद्र सिंह ने लोकसभा में बताया कि भारतजेन वर्तमान में नौ भारतीय भाषाओं - हिंदी, मराठी, तमिल, मलयालम, बंगाली, पंजाबी, गुजराती, तेलुगु और कन्नड़ - को सपोर्ट करता है. दिसंबर 2025 तक, इसका कवरेज 15 भाषाओं तक विस्तारित हो जाएगा, जिसमें असमिया, मैथिली, नेपाली, उड़िया, संस्कृत और सिंधी शामिल होंगी.

इंडिया पोस्ट का नया डिजिटल सिस्टम लॉन्च

- एपीटी से रियल-टाइम ट्रैकिंग और सेवा में तेजी
- ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने की पहल
- पहले दिन आई तकनीकी रुकावटें सुधरीं

नई दिल्ली, 6 अगस्त. इंडिया पोस्ट ने राष्ट्रीय स्तर पर एडवांस्ड पोस्टल टेक्नोलॉजी सिस्टम लॉन्च कर दिया है. संचार मंत्रालय द्वारा बुधवार को दी गई जानकारी के अनुसार, इस नई प्रणाली से रियल-टाइम ट्रैकिंग और लेनदेन की गति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है.

एपीटी को इंडिया पोस्ट के आईटी 2.0 के तहत चल रहे डिजिटल बदलाव के हिस्से के रूप में लॉन्च किया गया है. मंत्रालय ने बताया कि यह नई प्रणाली लेनदेन की गति, डिजिटल भुगतान एकीकरण, रियल-टाइम ट्रैकिंग और ग्राहक अनुभव में सुधार लाएगी. यह पुराने सिस्टम से नए सिस्टम की ओर एक बड़ा परिवर्तन है, जिसका उद्देश्य अधिक तीव्र, स्मार्ट और ग्राहक-केंद्रित डाक सेवाएं प्रदान करना है.

सरकार ने बताया कि शहरी, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में फैले 1.64 लाख से अधिक डाकघरों के विशाल नेटवर्क के कारण, एपीटी सिस्टम के रोलआउट के पहले दिन, 4 अगस्त को कुछ धीमापन महसूस किया गया.

सफल संचालन के आंकड़े

मंत्रालय के अनुसार, 5 अगस्त को इस नए एप्लिकेशन के माध्यम से पूरे भारत में 20 लाख से अधिक वस्तुओं की बुकिंग की गई और 25 लाख से अधिक वस्तुओं की डिलीवरी की गई. भारतीय डाक विभाग ने कहा कि वह निर्बाध सार्वजनिक सेवा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और सुचारु एवं कुशल बदलाव सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रहा है .इससे पहले, यह घोषणा की गई थी कि डाक विभाग पूरी दिल्ली में अपना अगली पीढ़ी का एपीटी एप्लिकेशन शुरू करेगा. मंत्रालय ने पिछले सप्ताह बताया था कि 4 अगस्त को राजधानी भर के 353 डाकघर और 61 शाखा डाकघर इस अपडेटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म को लॉन्च करेंगे.

एनबीसीसी और लोकपाल में रु.121 करोड़ का करार

एनबीसीसी बनेगा परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता

संधारणीयता और गुणवत्ता पर विशेष जोर

नई दिल्ली, 6 अगस्त. एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने भारत के लोकपाल के साथ लगभग 121 करोड़ रुपये की अवसंरचना परियोजना के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं.

यह समझौता ज्ञापन लोकपाल कार्यालय परिसर की संरचनात्मक मरम्मत, भूकंपरोधी रेट्रोफिटिंग और उन्नत इंटीरियर का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य कार्यक्षमता और संधारणीयता बढ़ाना है. इस करार के तहत, एनबीसीसी परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता के रूप में कार्य करेगा, गुणवत्ता और संधारणीयता सुनिश्चित करेगा. इसका लक्ष्य लोकपाल कार्यालय की प्रचालन दक्षता और भौतिक अवसंरचना को समसामयिक मानकों के अनुरूप अपग्रेड करना है.

दोनों संगठनों के वरिष्ठ गणमान्य अधिकारियों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो सहयोग के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करता है. उपस्थितगणों में न्यायमूर्ति अजय माणिकराव खानविलकर, भारत के लोकपाल के अध्यक्ष; अभिषेक भगोतिया, संयुक्त सचिव, भारत के लोकपाल; अरुण कुमार, उप सचिव, भारत के लोकपाल; मुदित भटनागर, मुख्य महाप्रबंधक, एनबीसीसी और आकाश सक्सेना, अपर महाप्रबंधक, एनबीसीसी शामिल थे.

साप्ताहिक एक्सपायरी पर रोक नहीं

सेबी चेयरमैन ने मीडिया अटकलों को नकारा

मुंबई, 6 अगस्त.भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने बुधवार को साप्ताहिक एक्सपायरी पर अंकुश लगाने से संबंधित मीडिया रिपोर्टों को सट्टा बताया.

उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें ऐसी किसी जानकारी की जानकारी नहीं है और सुधारों की आवश्यकता प्रक्रिया के तहत तय होगी.चेयरमैन के बयान के बाद, बीएसई के शेयर सुबह की गिरावट के बाद हरे निशान में आ गए, 1.41% ऊपर रु. 2,400 पर कारोबार कर रहे थे. निफ्टी कैपिटल मार्केट्स इंडेक्स भी 2.36% बढ़ा. एंजल वन, मोतीलाल ओसवाल, यूटीआई एएमसी और कैम्स के शेयरों में भी वृद्धि देखी गई. ये शेयर मंगलवार को साप्ताहिक एक्सपायरी पर अंकुश लगाने की खबरों के बाद गिरे थे.

पिछले महीने, सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अनंत नारायण ने एफएंडओ (फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस) अनुबंधों में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की थी. उन्होंने कहा था कि इंडेक्स विकल्पों में कारोबार अक्सर अंतर्निहित नकद बाजार में कारोबार का 350 गुना या उससे अधिक होता है, जो एक असंतुलन

जीसीसी का तेज़ विस्तार

1,700 केंद्रों से 19 लाख को रोजगार

नई दिल्ली, 6 अगस्त.संसद को बुधवार को दी गई जानकारी के अनुसार, भारत में वर्तमान में 1,700 से अधिक वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) कार्यरत हैं, जिनमें 19 लाख से अधिक लोग कार्यरत हैं.

यह जानकारी इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विसेज कंपनीज (नैसकॉम) के आंकड़ों का हवाला देते हुए एक लिखित उत्तर में दी.

जीसीसी का बढ़ता राजस्व और विकास

पिछले 5 वर्षों में इन जीसीसी द्वारा अर्जित कुल राजस्व वित्त वर्ष 2019 में 40.4 अरब डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 9.8त्न की सीएजीआर के साथ 64.6

मजबूत अर्थव्यवस्था से वाहन क्षेत्र में सुधार की उम्मीद

नई दिल्ली, 6 अगस्त. हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक उन्सू किम ने कहा है कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था और सरकार की दूरदर्शी नीतियां वाहन जैसे उपभोक्ता-आधारित क्षेत्रों के लिए अनुकूल माहौल बना रही हैं, जिससे कारों की मांग में सुधार की उम्मीद है. हुंदै की वित्त वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने कुल 7,62,052 वाहन बेचे . किम ने उम्मीद जताई कि वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू बिक्री में निचले स्तर पर एकल अंक की वृद्धि होगी, जबकि निर्यात 7-8 प्रतिशत बढ़ेगा.

श्री बालाजी मंडल का 10वां स्वास्थ्य शिविर

150 से अधिक लोगों को मिला मुफ्त इलाज, जरूरतमंदों को दवाएं भी उपलब्ध

नई दिल्ली, 6 अगस्त.श्री बालाजी मित्र मंडल (रजि) दिल्ली प्रदेश द्वारा रविवार को शिव नगर स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर में अपना 10वां नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया.

इस सेवा पहल का लाभ 150 से अधिक लोगों ने उठाया.संस्था के प्रमुख गगन साहनी ने बताया कि श्री बालाजी मित्र मंडल हर महीने नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने के साथ-साथ जरूरतमंद लोगों के लिए रक्त और मुफ्त दवाओं की व्यवस्था भी करता है. उन्होंने यह भी बताया कि हाल के दिनों में संस्था ने 70 वर्ष से अधिक आयु के 300 से अधिक लोगों के लिए नि:शुल्क आयुष्मान कार्ड बनवाए हैं.

समाचार विशेष

राजनीति छोड़ने पर क्यों मजबूर हुआ ममता का सिपहसालार?

कोलकाता. ममता बनर्जी की टीएमसी पार्टी में घमासान मचा हुआ है. पार्टी के पुराने सिपहसालार कल्याण बनर्जी और सांसद महुआ मोइत्रा आपस में भिड़ गए हैं. इसी के बाद जब मोइत्रा ने कल्याण बनर्जी पर कमेंट किया है, उन्हें एक पॉडकास्ट में सुअर तक करार दिया, तो इसी के बाद अब कल्याण बनर्जी पार्टी की खामोशी से नाखुश नजर आ रहे हैं. उन्होंने पार्टी के मुख्य सचेतक के पद से भी इस्तीफा दे दिया है.

महुआ मोइत्रा और कल्याण बनर्जी एक दूसरे पर तीखे शब्द बाण चला रहे हैं. महुआ मोइत्रा ने हाल ही में — शादी की है. इसी के बाद कल्याण बनर्जी ने उनकी शादी पर कमेंट किया और उन्हें घर तोड़ने वाली और महिला विरोधी कहा. इसी के बाद बनर्जी के इस बयान पर मोइत्रा का रिएक्शन सामने आया. मोइत्रा ने बनर्जी को सुअर करार दिया. साथ ही कहा, आप सुअर के साथ कुश्ती नहीं लड़ते. क्योंकि सुअर को यह पसंद है और आप गंदे हो जाते हैं.

इस जुबानी जंग के बीच पार्टी के वरिष्ठ नेता मोइत्रा के कमेंट पर पार्टी की चप्पी पर नाखश नजर आए. इस अनबन के बीच, टीएमसी के वरिष्ठ नेता कल्याण बनर्जी ने सोमवार को दावा किया कि उन्होंने लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा दे दिया है. बनर्जी ने कहा, मैंने लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा दे दिया है क्योंकि 'दीदी' (ममता बनर्जी) ने वर्चुअल मीटिंग के दौरान कहा था कि पार्टी सांसदों के बीच समन्वय की कमी है. इसलिए दोष मुझ पर है. इसलिए, मैंने पद छोड़ने का फैसला किया है. कल्याण बनर्जी ने कहा, दीदी (ममता बनर्जी) कहती हैं कि सांसद झगड़ रहे हैं. क्या मुझे उन लोगों को बर्दाश्त करना चाहिए जो मुझे गाली देते हैं? मैंने पार्टी नेतृत्व को सूचित किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई. इसके बजाय, मुझे दोषी ठहराया गया. दीदी को पार्टी को अपने तरीके से चलाने दें. मैं इतना परेशान हूं कि मैं राजनीति छोड़ने के बारे में भी सोच रहा हूं. श्रीरामपुर से चार बार सांसद रहे बनर्जी ने कहा कि उन्हें इस बात से शर्मिंदगी महसूस हो रही है कि पार्टी अनुशासनहीनता और कम उपस्थिति के लिए जिम्मेदार लोगों को जिम्मेदार नहीं ठहरा रही है, बल्कि उन्हें ही जिम्मेदार ठहरा रही है.

जबसे तृणमूल तबसे कल्याण- कल्याण बनर्जी टीएमसी पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं. कल्याण बनर्जी टीएमसी में पार्टी स्थापना के समय, यानी 1998 में ही शामिल हो गए थे, जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने टीएमसी की स्थापना की थी. वो पार्टी के सबसे पुराने और वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं. कल्याण बनर्जी ने 2001 से असनसोल उत्तर विधानसभा सीट से पहली बार चुनाव लड़ा, लेकिन वो यह चुनाव हार गए. इसी के बाद वो श्रीरामपुर से 2009 से लगातार लोकसभा सांसद चने गए.

कल्याण बनर्जी ने महुआ मोइत्रा पर क्या कमेंट किया

कल्याण बनर्जी ने महुआ मोइत्रा की शादी पर कमेंट किया था. मोइत्रा ने बीजेडी सांसद पिनाकी मिश्रा से शादी की है. कल्याण बनर्जी ने कहा, वो मुझे महिला विरोधी कहती हैं? वो क्या हैं? उन्होंने क्या किया है? वो अपने हनीमून से वापस आईं. उन्होंने एक आदमी के 40 साल पुराने परिवार को तोड़ दिया और 65 साल के आदमी से शादी की. वो मुझे महिला विरोधी कह रही हैं?

ईसाई मतदाताओं की चिंता में भाजपा

तिरुवनंतपुरम. केरल में अगले साल अप्रैल-मई में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं और भाजपा को लग रहा है कि इस बार उसका प्रदर्शन ऐतिहासिक हो सकता है. पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन अच्छा हुआ था. पार्टी का खाता भी खुला था और दो सीटों पर उसने कांटे की लड़ाई बना दी थी.

अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद में भाजपा राज्य के ईसाई मतदाताओं को पटाने में लगी है. लेकिन इस बीच मामला बिगड़ गया छत्तीसगढ़ में, जहां दो ईसाई महिलाओं को धर्मांतरण कराने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया. दोनों नन के साथ तीन आदिवासी महिलाएं किसी कार्यक्रम में जा रही थीं उसी समय उनको गिरफ्तार कर लिया गया.

इस घटना को लेकर बड़ा विवाद हुआ. कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों ने इसे मुद्दा बनाया तो भाजपा की ओर से ऐसे मीम्स और कार्टून बने, जिनमें सोनिया व राहुल गांधी को चर्च के आगे नतमस्तक दिखाया गया. लेकिन जल्दी ही केरल भाजपा ने मुद्दा अपने हाथ में ले लिया क्योंकि दोनों नन केरल की रहने वाली थीं. केरल के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने न्यायिक प्रक्रिया में लगभग दखल देते हुए पहले ही ऐलान कर दिया कि जल्दी ही दोनों ईसाई महिलाओं को जमानत मिलेगी. फिर कांग्रेस पर हमला बंद कर दिया गया और दुष्प्रचार भी थम गया.

तेजस्वी को मिल गया सीएम बनने का फार्मूला

बस करना होगा ये काम, किसने दी खास सलाह?

पटना. बिहार में चुनावों के औपचारिक ऐलान में अभी देर है लेकिन अनौपचारिक तौर पर सियासी दलों और सियासतदानों ने जीत की कवायद शुरू कर दी है. इस बीच तेजस्वी यादव को लेकर एक बड़ा बयान सामने आया है. दरअसल, पूर्व सांसद और बिहार के पूर्व सीएम राबड़ी देवी के भाई साधु यादव ने तेजस्वी यादव को खास सलाह दी है.

अपने बयान में उन्होंने कहा है कि अगर वे मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं, तो उन्हें कुछ मौजूदा सहयोगियों से दूरी बनानी होगी और जनता के बीच अधिक सक्रियता दिखानी होगी. साधु यादव की मानें तो बिहार में सरकार बनाने के लिए वोट शेयर और रणनीति महत्वपूर्ण है. आरजेडी के पास 33 प्रतिशत वोट शेयर है, जो विश्वसनीय है.

> **नीतीश कुमार के स्वास्थ्य पर सवाल**
>
> बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर उन्होंने दावा किया कि नीतीश कुमार अचेत अवस्था में हैं और दवाइयों के प्रभाव पर निर्भर रहते हैं. दवाइयों का असर खत्म होने पर नीतीश फिर से अचेत हो जाते हैं. राष्ट्रीय जनता दल(राजद) नेता तेजस्वी यादव भी नीतीश कुमार के स्वास्थ्य पर सवाल खड़े कर चुके हैं.

विशेष | **राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होने के बाद ही उत्तर प्रदेश को नया नेतृत्व**

नड्डा के रिप्लेसमेंट तक नहीं खत्म होगा बीजेपी का इंतजार

लखनऊ. सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नये प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर पिछले कई माह से चल रही अटकलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं. बीजेपी ने अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव फिलहाल टाल दिया है. इस पर सितंबर में होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के बाद ही आगे का फैसला किया जाएगा.

ये कदम 2024 के बाद बदले राजनीतिक हालात में पार्टी के अंदरूनी ढांचे को संभलकर ढालने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है. पहले यह चर्चा थी कि उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष की घोषणा के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्वाचन होगा, लेकिन अब संकेत मिल रहे हैं कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होने के बाद ही उत्तर प्रदेश को नया नेतृत्व मिलेगा.

इसकी एक वजह यह भी है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन के लिए आधे से अधिक राज्यों के अध्यक्षों के चयन का 'कोरम' पूरा हो गया है. देश के 28 राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव संपन्न हो चुका है.

उत्तर प्रदेश में काम करने मिला आदेश- भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद ही उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष का निर्वाचन होगा. उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में शामिल नेताओं को 'दिल्ली' में कह दिया गया है कि उत्तर प्रदेश में जाकर काम करिए, जो निर्णय होगा, पता चल जाएगा. यह पूछे जाने पर कि कौन अध्यक्ष बनेगा, उन्होंने कहा कि अभी कोई दावा करना मुश्किल है.

> **सपा के पीडीए का निकालेगी तोड़**
>
> भाजपा से जुड़े सूत्रों का कहना है कि समाजवादी पार्टी ने अपने पीडीए अभियान को तेज किया है और अब तो सपा पीडीए पाठशाला का भी आयोजन कर रही है, इसलिए राजनीतिक विश्लेषकों के एक वर्ग को लगता है कि भाजपा अपने अध्यक्ष के चयन में पिछड़े वर्गों को प्राथमिकता दे सकती है.